हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(बसंत)(पाठ 7)(साहिर लुधियानवी – साथी हाथ बढ़ाना)
(कक्षा 6)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:
इस गीत की किन पंक्तियों को तुम अपने आसपास की जिदगी में घटते हुए देख सकते हो ?
उत्तर 1:
इस गीत की निम्न पंक्तियों को हम आसपास की ज़िदगी में घटते देखते हैं ।
साथी हाथ बढ़ाना।
हम मेहनतवालों ने जब भी, मिलकर कदम बढ़ाया
सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया
एक से एक मिले तो कतरा, बन जाता है दरिया
एक से एक मिले तो ज़र्रा, बन जाता है सेहरा
एक से एक मिले तो राई, बन सकती है परबत
एक से एक मिले तो इंसाँ, बस में कर ले किस्मत

प्रश्न 2:
'सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया' साहिर ने ऐसा क्यों कहा है ? लिखो।
उत्तर 2:
कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि संगठन में ही शक्ति होती है , और इस ताकत के सामने बड़े से बड़े तूफान भी हार मान लेते हैं । इसी के बल पर हमनें सागर को भी अपने अधीन कर लिया । पर्वत को भी अपने आगे झुका लिया ।

प्रश्न 3:
गीत में सीने और बाँहों को फौलादी क्यों कहा गया है ?
उत्तर 3:
भगवान ने हमें असीम सहनशक्ति और हाथों में फौलादी ताकत प्रदान की है जिसके बल पर हम बड़ी से बड़ी कठिनाई का डटकर मुकाबला कर सकते हैं । इसीलिए गीत में सीने और बाँहों को फौलादी कहा गया है

गीत से आगे

प्रश्न 1:
अपने आसपास तुम किसे 'साथी' मानते हो और क्यों ? इससे मिलते–जुलते कुछ और शब्द खोजकर लिखो।
उत्तर 1:
हमारे आसपास जितने भी लोग हमसे जुड़े हुए हैं वे सब हमारे साथी हैं । जैसे भाई , मित्र ,पड़ोसी अन्य रिश्तेदार आदि।
इनसे मिलते–जुलते शब्द हैं जैसे :– सहायक , सखा , संगी , सहचर , मित्र , मीत आदि

प्रश्न 2:
'अपना दुख भी एक है साथी, अपना सुख भी एक'
कक्षा, मोहल्ले और गाँव/शहर के किस–किस तरह के साथियों के बीच तुम्हें इस वाक्य की सच्चाई महसूस होती है और कैसे ?

उत्तर 2:
सभी की आम समस्याएं हमारी भी समसयाएं होती है जैसे बिजली , पानी , भ्रष्टाचार आदि । वहीं हमारी खुशी में भी सबकी साझेदारी होती है जैसे कोई पदक जीतना किसी खुशी का मिलना आदि । उसमें भी सभी की साझेदारी होती है ।

प्रश्न 3:
इस गीत को तुम किस माहौल में गुनगुना सकते हो?

उत्तर 3:
इस गीत को हम हर उस माहौल में गा सकते हैं जहॉ पूरे समूह को जोश की जरूरत हो । जैसे खेल का मैदान , गणतंत्र दिवस , स्वतंत्रता दिवस आदि

प्रश्न 4:
'एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना'
(क) तुम अपने घर में इस बात का ध्यान कैसे रख सकते हो ?
(ख) पापा के काम और माँ के काम क्या–क्या हैं ?
(ग) क्या वे एक–दूसरे का हाथ बँटाते हैं ?

उत्तर 4:
(क) अपने घर के छोटे–माटे कामों में अपने माता पिता हाथ बंटाकर हम इस बात का ध्यान रखते हैं ।
(ख) पापा अगर ऑफिस जाते हैं तो मॉ घर के सारे काम देखती हैं । पापा का काम है बाहर जाकर काम करके पैसे कमाकर लाना जिससे घर चल सके। इसके विपरीत मॉ उसी पैसे में पूरे घर की व्यवस्था देखती है वह खाना बनाती है। घर की साफ–सफाई करती है आदि ।

प्रश्न 5:
यदि तुमने 'नया दौर' फिल्म देखी है तो बताओ कि यह गीत फिल्म में कहानी के किस मोड़ पर आता है ? यदि तुमने फिल्म नहीं देखी है तो फिल्म देखो और बताओ।

उत्तर 5:
नया दौर फिल्म में जब कच्ची सड़क का काम होता है तो सभी मिलकर काम को करते हैं और सारा काम बड़ी आसानी से पूरा हो जाता है ।